an>

Title: Need to provide compensation to farmers for damage caused by the polluted water released from Barauni Refinery in Begusarai, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : सर्वशक्तिमान सदन की अधिष्ठात्री के माध्यम से मैं अपने क्षेत्र की पीड़ा का इजहार करना चाहता हूं। 'बस्ती-बस्ती, पर्वत-पर्वत गाता जाये बंजारा, लेकर दिल का एक तारा।' बरौनी रिफाइनरी ने अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में विदेशी मुद्रा अर्जित करने के मामले में एक मानक स्थापित किया है।

परंतु इस बरौनी रिफाइनरी के कारण बेगुसराय संसदीय क्षेत्र की दस पंचायतें - बीहट-1, बीहट-2, बीहट-3, बीहट-4, नींगा और पपरौल इन सारी पंचायतों की आबादी प्रदूषित जल से मरणासन्न हो रही है। मैडम, गाय और भैंस मुसहरी में रखनी पड़ रही हैं। बैल मुसहरी में रहते हैं। लोग परेशान हैं। 2000 एकड़ जमीन प्रदूषित जल से बर्बाद हो रही है। इस पर प्रदर्शन हुए हैं। रिफाईनरी के प्रबंधन से बातें हुई हैं। जिला कलेक्टर ने क्षतिपूर्ति के लिए रिपोर्ट दाखिल की थी, लेकिन बरौनी रिफाईनरी का प्रबंधन संवेदनहीन है विवेकशून्य है। आज जो इस आसन पर ताई बैठी हैं, बाध्य हो कर मैं उनके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करता हूँ कि वह बरौनी रिफाइनरी के प्रबंधन पर ऐसा दबाव डाले कि हमारे किसानों को मुआवजा प्राप्त हो, क्षतिपूति हो। बोरोपिट के माध्यम से जो प्रदूषित जल आ रहा है, उसके चलते सब्जी मारी जा रही है, उसके चलते आम और लीची की फसल मारी जा रही है, उसके चलते वातावरण प्रदूषित हो रहा है, हम आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं कि भारत सरकार बरौनी रिफाईनरी पर दबाव डाले ताकि वह हमारे किसानों को और दस पंचायतों को मुआवजा और क्षतिपूर्ति दे। मैं आपके माध्यम से इस ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।